THE MINSITER OF SURFACE TRANSPORT AND THE MINISTER OF URBAN AFFAIRS AND EMPLOYMENT (SHRI T.G. VENKATRAMAN): (a) There are 300 cities (Class-I) in the country having a population of one lakh and above, as per 1991 census.

(b) As per the draft report on 'Status of Water Supply, Waste Water Generation, Collection, Treatment & Disposal in Class-I Cities 1994-95' of the Central Pollution Control Board, Ministry of Environment & Forests, 71 cities (Class-I) have either primary or secondary sewage treatment facilities.

(c) It is true that untreated sewage if discharged into rivers causes contamination. If such contaminated water is used without proper treatment, it can cause water borne diseases.

(d) Sanitation is a State subject and it is the responsibility of the State Governments/Local Bodies to provide sewarage and sewage treatment facilities in the cities.

However, the National River Conservaion Directorate (NRCD) under the Ministry of Environment & Forests has informed that under the Ganga Action Plan and National River Conservation Plan, it is proposed to construct sewage treatment plants in 125 towns covering 23 rivers in the country. An amount of Rs. 1912 lakhs has been allocated during 1997-98 for sewerage schemes, sewerage treatment plants and other allied works.

Liberalisation of Licencing Norms for Sugar Factories

*74. PROF. RAM KAPSE:
SHRI RAJNATH SINGH:

Will the Minister of FOOD AND CONSUMER AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government have under consideration a proposal for liberalisation of licensing norms for Sugar Factories to be set up;

(b) if so, the salient features of the proposal; and

(c) the reasons leading to this liberalisation?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD AND CONSUMER AFFAIRS (SHRI RAGHUVANSH PRASAD SINGH): (a) No Sir. There is no proposal for liberalisaiton of Licencing Norms for sugar factories.

(b) and (c) Does not arise.

सुरक्षा के आधार पर सरकारी आवास

*75. **श्री नागमणि:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या शहरी कार्य और रोज़गार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने सुरक्षा के आधार पर अनेक लोगों को सरकारी आवास उपलब्ध करवाए हैं;

(ख) यदि हां, तो आज की तारीख के अनुसार किन-किन व्यक्तियों को सरकारी आवास उपलब्ध करवाए गए हैं;

(ग) सुरक्षा के आधार पर सरकारी आवास उपलब्ध करवाए जाने के क्या मानदंड हैं; और

(घ) क्या सरकार ने इन मानदंडों की समीक्षा की है; यदि हां, तो तत्संबंधी परिणाम क्या हैं?

जल-भूतल परिवहन मंत्री तथा शहरी कार्य और रोजगार मंत्री (श्री टी॰जी॰वेंकटरामन): (क) और (ख) जी, हां। 19 व्यक्तियों को सुरक्षा आधार पर साधारण पूल के रिहायशी वास मुहैया कराए गए हैं। इन व्यक्तियों के नाम विवरण में हैं **(नीचे देखिये)**

(ग) और (घ) दिशानिर्देश तैयार किए जाने तक, सुरक्षा कारणों से साधारण पूल के रिहायशी वास, प्रत्येक मामले के गुण-दोष के आधार पर प्रदान किए जा रहे थे। अक्तूबर, 1996 में जारी दिशानिर्देशों के अनुसार साधारण पूल के टाईप-VI से ऊंची श्रेणी के रिहायशी वास "जैड प्लस" सुरक्षा श्रेणी वाले व्यक्तियों को बाजार किराया/विशेष लाइसैंस फीस के भुगतान पर गृह मंत्रालय की स्पष्ट सिफारिशों पर प्रारम्भ में एक वर्ष के लिए आबंटित किया जा सकता है।